Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 06-03-2006

Participants : Sumbrui Shri Bagun

Title : Need to formulate a national policy to prevent exploitation of ground water for commercial purposes in Jharkhand.

श्री बागुन सुम्बरूई (सिंहभूम) : महोदय, झारखण्ड प्रदेश में भूगर्भ जल की उपलब्धता काफी कम है, इसके बा वजूद विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा डीप बोरिंग के माध्यम से भूगर्भ जल का दोहन औद्योगिक कार्यो के लिए किया जा रहा है। परिणामस्वरूप पेयजल की भीाण कमी हो गयी है। चापाकल, कुएं सूखे जा रहे हैं। झारखंड के काण्ड्रा में आधुनिक ग्रुप ऑफ कम्पनीज के आधुनिक पॉवर एंड एलॉय परिसर में 22 डी बोरिंग किए गए हैं, जिससे काण्ड्रा का जलस्तर गिर गया है। काण्ड्रा गम्हरिया, आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में सैंकड़ों छोटी बड़ी औद्योगिक इकाइयां हैं, जो डीप बोरिंग से भूगर्भ जल का दोहन कर औद्योगिक उपयोग कर रही है। परिणामस्वरूप जलस्तर काफी गिर गया है। विभिन्न कंपनियों के डीप बोरिंग के कारण काण्ड्रा का जलस्तर गिरा, शीर्षक समाचार 28 जून, 2005 को झारखंड के जमशेदपुर से प्रकाशित उदितवाणी दैनिक के पृठ संख्या -11 पर प्रकाशित हुआ है।

औद्योगिक इकाइयों द्वारा भूगर्भ जल का औद्योगिक कार्यो के लिए दोहन किया जाना चिंतनीय है, इस पर तत्काल प्रतिबंध आवश्यक है, विशेाकर पठारी राज्यों में शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। प्रावधान किया जाना चाहिए कि औद्योगिक इकाइयां वर्ा जल का संरक्षण करें, नदियों नालों में डैम बनाकर जल का संरक्षण कर इसी जल का औद्योगिक उपयोग करें। भूगर्भ जल का उपयोग औद्योगिक कार्यो के लिए प्रतिबंधित करने के लिए शीघ्र राट्रीय नीति तैयार कर सख्ती से इसे लागू कराया जाना चाहिए ताकि आम जनता को पेयजल की समस्या न हो। काण्ड्रा, आदित्यपुर, गम्हरिया की औद्योगिक इकाइयों की डीप बोरिंग को तत्काल बंद कराया जाना चाहिए।